

उत्तराखण्ड शासन
चिकित्सा अनुभाग-4
संख्या- /XXVIII-4-2016-119/2002
देहरादून : दिनांक 17 अक्टूबर, 2016

अधिसूचना

राज्यपाल, उत्तर प्रदेश पूर्व विन्यास (अधिकारो का विस्तार) अधिनियम, 1950 (उत्तर प्रदेश अधिनियम, संख्या 20, सन् 1950) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा 4 सपठित पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (अधिनियम संख्या 6 सन् 1890) की धारा 6 के अनुसरण में गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, 2-सी प्रीतम रोड, देहरादून की ऐसी सम्पत्ति के प्रबन्ध के लिये, जो उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन कोषपाल, पूर्व विन्यास, उत्तराखण्ड में निहित है, पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (अधिनियम संख्या 6 सन् 1890) की धारा 5 के अधीन निम्नलिखित योजना बनाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

योजना

1. जिला नेत्र सुरक्षा समिति, देहरादून द्वारा संचालित गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, देहरादून को राज्य स्तरीय विशिष्ट नेत्र चिकित्सा केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा, जो "महात्मा गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून" कहलायेगा।
2. जिला नेत्र सुरक्षा समिति, देहरादून द्वारा संचालित गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, देहरादून नामक संस्था के लिये नेत्र सुरक्षा के निमित्त न्यास के रूप में धृत ऐसी सम्पत्ति, जो अधिसूचना संख्या-697/XXVIII-5-2007-119/2002 दिनांक 04 अक्टूबर, 2007 के द्वारा उत्तर प्रदेश पूर्व विन्यास (अधिकारो को विस्तार) अधिनियम, 1950 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 20 सन् 1950) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त), की धारा 4 सपठित पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (अधिनियम संख्या 6 सन् 1890) की धारा 4 के अधीन कोषपाल, पूर्वविन्यास, उत्तराखण्ड में निहित है, का प्रबन्ध एक प्रशासक द्वारा किया जायेगा, जो महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून होगा।
3. प्रशासक को उसके कर्तव्यों के पालन और कृत्यों के निर्वहन में एक कार्यकारी अधिकारी सहायता करेगा, जिसे प्रशासक नामित करेगा और जिसे प्रशासक अपने कर्तव्यों का पालन और कृत्यों का निर्वहन दक्षतापूर्वक करने के लिये अपनी कतिपय या कोई शक्ति प्रत्यायोजित कर सकता है।
4. एक परामर्शदात्री समिति होगी, जिसका कार्य प्रशासक द्वारा उसे सन्दर्भित किये गये विषयों की जाँच करना और उन विषयों पर प्रशासक को अपनी सलाह देना होगा। उक्त समिति में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किये जाने वाले निम्नलिखित सदस्य होंगे :-

- (एक) प्रमुख सचिव/सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड शासन पदेन अध्यक्ष
- (दो) प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून पदेन सदस्य
- (तीन) वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक, दून चिकित्सा महाविद्यालय, देहरादून सदस्य सचिव
- (चार) डा० राजेन्द्र प्रसाद नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के तीन विभिन्न विधाओं के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ सदस्य
- (पाँच) पी०जी०आई, एम०ई०आर० चण्डीगढ़ के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ सदस्य
- (छः) जिलाधिकारी, देहरादून सदस्य
- (सात) निदेशक, एन०आई०वी०एच० (National Institute of Visually Handicapped), देहरादून सदस्य
- (आठ) श्री विपिन नागलिया, प्रतिनिधि जिला नेत्र सुरक्षा समिति, 13-त्यागी रोड़, देहरादून सदस्य
- टिप्पणी समिति में अन्य गैर सरकारी सदस्य शासन के द्वारा नामित किये जायेंगे।

5. प्रशासक उन आपाती प्रकार के विषयों को छोड़कर, जिन पर तुरन्त कार्यवाही करना आवश्यक हो, सम्पत्ति के प्रबन्ध और उसके शासन से सम्बद्ध महत्वपूर्ण विषयों को सलाह के लिये समिति को सन्दर्भित करेगा।
6. परामर्श दात्री समिति की सिफारिशों या सलाह पर प्रशासक सम्यक् रूप से विचार कर क्रियान्वयन करायेगा, किन्तु इससे भिन्न स्थिति होने पर अन्तिम निर्णय प्रशासक का होगा।
7. अध्यक्ष सहित समिति के सदस्य, पदेन सदस्यों को छोड़कर, योजना के प्रकाशित होने के दिनांक से एक वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करेंगे, परन्तु यह कि वह एक वर्ष की अवधि व्यतीत होने के पश्चात् भी वे तब तक कार्य करते रहेंगे, जब तक कि राज्य सरकार द्वारा उनके उत्तराधिकारी नियुक्त न कर दिये जायें।
8. राज्य सरकार को समिति के किसी भी सदस्य, जिसमें अध्यक्ष या सचिव भी सम्मिलित हैं, की सदस्यता को समाप्त करने का अधिकार होगा, किन्तु शर्त यह है कि ऐसी सदस्यता समाप्ति के पूर्व सम्बन्धित सदस्य को प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कारण प्रकट करने का उचित अवसर दिया जायेगा।
9. समिति की सदस्यता समाप्त होने या उसके किसी सदस्य की मृत्यु होने या त्याग-पत्र देने के कारण समिति की सदस्यता में होने वाली आकस्मिक रिक्तियों को राज्य सरकार द्वारा भरा जायेगा।
10. समिति की कोई भी कार्यवाही केवल इस कारण अवैध न होगी कि समिति की सदस्यता में किसी रिक्ति को भरा नहीं गया है।



11. समिति की बैठक उतनी बार होगी, जितनी बार आवश्यक हो और तीन महीने में कम से कम एक बार ऐसे दिनांक को और ऐसे स्थान पर, जिसे सचिव, अध्यक्ष के परामर्श से नियत करें, आवश्यक होगी।
12. समिति की बैठक प्रमुख सचिव/सचिव द्वारा, उसके सभी सदस्यों को विशेष संदेशवाहक द्वारा या रजिस्टर्ड डाक से 07 दिनों का नोटिस देकर बुलाई जायेगी। समिति की बैठक की गणपूर्ति के लिये समिति के पदाधिकारियों सहित सदस्यों की संख्या तीन होगी, परन्तु यदि गणपूर्ति के न होने के कारण कोई बैठक स्थगित कर दी जाये तो ऐसी स्थगित बैठक के लिये कोई गणपूर्ति अपेक्षित नहीं होगी।
13. समिति का अध्यक्ष समिति की बैठकों की अध्यक्षता करेगा और उसकी अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्य अपने में से एक को बैठक की अध्यक्षता करने के लिये चुनेंगे।
14. समिति के समक्ष आने वाले समस्त विषय उपस्थित सदस्यों के बहुमत से निर्णित किये जायेंगे और मतों के बराबर होने की दशा में बैठक के अध्यक्ष को निर्णायक मत देने का अधिकार होगा।
15. प्रशासक, महात्मा गान्धी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून के दैनिक क्रिया-कलापों के संचालन हेतु एक कार्यकारी समिति गठित कर सकता है। उक्त समिति के द्वारा विभिन्न स्रोतों से प्राप्त निवेश के रूप में धृत, गान्धी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र के विकास कार्यों का अनुश्रवण, निरीक्षण किया जायेगा। इसके सदस्यों की संख्या एवं कार्यकाल की अवधारणा प्रशासक द्वारा की जायेगी। कार्यकारी समिति निम्न प्रकार गठित की जा सकती है:-
 - (एक) महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अध्यक्ष विभाग, देहरादून
 - (दो) मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, दून चिकित्सा महाविद्यालय, सदस्य सचिव देहरादून
 - (तीन) मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून सदस्य
 - (चार) महानिदेशक द्वारा नामित देहरादून में कार्यरत प्रान्तीय सदस्य चिकित्सा सेवा का वरिष्ठतम नेत्र विशेषज्ञ
 - (पाँच) डा० बुद्धि चन्द्र रमोला, नेत्र चिकित्सक, जिला सदस्य चिकित्सालय, पौड़ी
16. कोषपाल, पूर्त विन्यास, उत्तराखण्ड, उपर्युक्त सम्पत्ति की, जो उसमें निहित है, आय प्रशासक को भेज देगा।
17. प्रशासक द्वारा प्राप्त समस्त धनराशि देहरादून में किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा में महात्मा गान्धी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून के नाम जमा की जायेगी और नेत्र सुरक्षा की अभिवृद्धि के प्रयोजन को कार्यान्वित



करने तथा सम्पत्ति के समुचित प्रबन्ध के लिये उसका भुगतान प्रशासक द्वारा हस्ताक्षरित चैकों से किया जायेगा। प्रशासक चैकों को हस्ताक्षरित करने की शक्ति समिति के किसी सदस्य को प्रतिनिधायन कर सकता है।

18. प्रशासक :-

- (क) उक्त सम्पत्ति के कारण कमशः प्राप्त हुयी और भुगतान की गयी समस्त धनराशि का पूर्ण और यथार्थ लेखा अपने द्वारा रखी गयी पुस्तिकाओं में दर्ज करेगा या करायेगा ;
 - (ख) मांग किये जाने पर ऐसे लोक सेवक को, जिसे राज्य सरकार समय-समय पर निर्देश दे, इन लेखों का सार और उक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध से सम्बद्ध अन्य विषयों की ऐसी विवरणियां, जिन्हें राज्य सरकार समय-समय पर अपेक्षा करना उचित समझे, प्रत्येक वर्ष प्रस्तुत करेगा ; और
 - (ग) समिति की सभी बैठकों की कार्यवाहियों का यथार्थ और ठीक-ठीक अभिलेख रखेगा।
19. किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिये प्रशासक को दिये गये या उसके द्वारा प्राप्त सभी दान और सम्पत्ति की अन्य आय केवल उक्त प्रयोजन के लिये ही विनियोजित की जायेगी।
20. वाहय संस्थाओं से चैरिटी का कम्पोनेन्ट रखा जायेगा। उत्तराखण्ड में स्थित अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संस्थानों से इसमें योगदान के लिये प्रयास किये जायेंगे तथा इसका प्राविधान किया जायेगा।
21. निजी संस्थाओं द्वारा संचालित संस्थाओं के प्रशिक्षकों को शुल्क सहित शोध एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से आय सृजन के स्रोत विकसित किये जायेंगे।
22. उच्च स्तरीय सेवायें प्रदान किये जाने हेतु ऑल इंडिया इन्सटीट्यूट ऑफ मैडिकल साइन्सेज (एम्स), देहली एवं पी0जी0आई0, चंडीगढ़ के कुशल कोर-स्टाफ को आकर्षित किये जाने के प्रयास किये जायेंगे।
23. सम्पत्ति से हुयी और व्यय न की गयी आय संचित होने दी जायेगी और जब पर्याप्त धनराशि संचित हो जाये तो इस प्रकार संचित धनराशि कोषपाल, पूर्तविन्यास, उत्तराखण्ड में मूल विन्यास में वृद्धि के रूप में निहित की जायेगी।
24. उपर्युक्त सम्पत्ति का पूरा प्रबन्ध, अधीक्षण और शासन उक्त प्रशासक के हाथ में होगा, जो महात्मा गाँधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, देहरादून नामक संस्था के किन्हीं कर्मचारियों को, यथास्थिति, नियुक्त कर सकता है, पदच्युत कर सकता है, हटा सकता है या निलम्बित कर सकता है या अनुपस्थित रहने के लिये छुट्टी भी दे सकता है परन्तु यथा आवश्यकता संविदा पर कार्मिकों की तैनाती एवं उनके मानदेय निर्धारण के विषय पर परामर्शी समिति का अनुमोदन अपेक्षित होगा।



25. प्रशासक ऐसी निधियां प्रविष्ट करेगा, जो महात्मा गॉंधी शताब्दी नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र देहरादून नामक संस्था के लिये आवश्यक हो, और उसके अनुरक्षण और कार्य संचालन के लिये अपेक्षित हो, और अन्य समस्त विषयों में, जिनकी एतदपूर्व स्पष्ट व्यवस्था न की गयी हो, प्रशासक को ऐसे निदेश और आदेश देने का पूर्ण अधिकार होगा, जिनकी अपेक्षा हो।

26. प्रशासक समय-समय पर ऐसे विनियम, जो इस योजना से असंगत न हो और जो सम्पत्ति के अधिक अच्छे प्रबन्ध को विनियमित करने के लिये आवश्यक हो, बनाने और उसमें परिवर्तन या संशोधन करने के लिये प्राधिकृत होगा और एतद्वारा उसे प्राधिकृत किया जाता है। यह प्रतिवर्ष अगले वर्ष के लिये आय-व्ययक तैयार करेगा और लेखों की लेखा परीक्षा का और उनके प्रकाशन का और वर्ष पर्यन्त अपने नियंत्रणाधीन सम्पूर्ण संस्था की कार्यप्रणाली के प्रतिवेदन को प्रकाशित कराने का प्रबन्ध करेगा।

आज्ञा से,

(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव।

संख्या- ११६ (1)/XXVIII-4-2016-119/2002, तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रमुख सचिव/सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबरोय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
4. स्टॉफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. जिलाधिकारी, देहरादून।
8. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
9. मुख्य चिकित्साधिकारी, देहरादून।
10. अध्यक्ष, जिला नेत्र सुरक्षा समिति, देहरादून। (द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य।)
11. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल), देहरादून। (द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य।)
13. डा० राजेन्द्र प्रसाद, नेत्र चिकित्सा विज्ञान केन्द्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के 03 विभिन्न विधाओं के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ। (द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य।)
14. पी०जी०आई०, एम०ई०आर० चण्डीगढ़ के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ। (द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य।)



15. निदेशक, एन0आई0वी0एच0, देहरादून। (द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य।)
16. श्री विपिन नागलिया, प्रतिनिधि, जिला नेत्र सुरक्षा समिति, देहरादून। (द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य।)
17. सहायक प्रबन्धक, सहकारी समितियां, देहरादून। (द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य।)
18. राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आशय से प्रेषित कि असाधारण विधायी परिशिष्ट भाग-4, खण्ड (ख), सरकारी गजट, उत्तराखण्ड में प्रकाशित करते हुए शासन को भी 100 प्रतियां उपलब्ध कराने का कष्ट करें। (द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य।)
19. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
20. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(अतर सिंह)

संयुक्त सचिव।